"बिग बर्ड डे" के अवसर पर प्रदेश के कुछ जिलों में पक्षियों की गणना की गई। वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फण्ड (डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ.) इंडिया, वागड़ नेचर क्लब, सोफिया कॉलेज अजमेर और महर्षि दयानंद स्वामी युनिवर्सिटी अजमेर की टीमों ने प्रदेश के 7 अलग-अलग स्थानों पर पक्षियों की गणना की। डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ. इंडिया की उदयपुर इकाई के प्रभारी अरुण सोनी ने बताया कि हर साल की तरह फरवरी में "बिग बर्ड डे बर्ड काउण्ट" के तहत कई शहरों में पक्षियों की गणना की गई और जानकारी जुटाई गई। उदयपुर के सिटी पैलेस परिसर, बांसवाड़ा श्यामपुरा नेचर पार्क, सागवाड़ा के राजकीय वीर कन्या काली बाई जनजीवन आवासीय विद्यालय परिसर, डूंगरपुर के पुलिस लाइन, मेवाड़ युनिवर्सिटी परिसर, अजमेर के सोफिया कॉलेज व महर्षि दयानंद स्वामी युनिवर्सिटी कैम्पस में की गई। जिन पक्षी प्रजातियों की गणना की गई उनमें शिकारा, ब्लैक काइट, इंडियन ग्रे हॉर्नबिल, ग्रीन बी ईटर, कॉपर स्मिथ बारबैट, ग्रे हैडेड कैनरी, फ्लाइकैचर, डस्की क्रेग मार्टिन, लैसर वाइट थ्रोट, ओरिएंटल मैगपाइ रॉबिन, जो यहां तस्वीर में नजर आ रही हैं, रैड ब्रैस्टेड फ्लाइ कैचर, कॉमन हूपी आदि शामिल थे।

'जब भीड़ जुटती है तो सरकार टिकती नहीं, बल्कि गिर जाती है'

किसान नेता राकेश टिकैत ने आगे कहा कि, अगर किसानों ने सरकार वापसी का नारा दे दिया तो सरकार को कहीं छिपने की जगह नहीं मिलेगी

सोनीपत, 22 फरवरी (वार्ता)। संयुक्त किसान मोर्चा के सदस्य एवं किसान नेता राकेश टिकैत ने सोमवार को सोनीपत के खरखौदा में आयोजित किसान महापंचायत में कहा कि अब किसान अपना आंदोलन भी चलाएगा और साथ-साथ खेती भी करेगा।

कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग कर रहे आंदोलनरत किसानों की तरफ से आज खरखौदा की अनाज मंडी में किसान महापंचायत का आयोजन किया गया। महापंचायत में उमड़ी भारी भीड़ से किसान नेता गदगद नजर आए।

> ■ **राकेश टिकैत ने कहा कि, सरकार को शुक्र मनाना चाहिये कि इतनी भारी महंगाई के बावजूद किसान केवल कृषि कानून वापसी की ही मांग कर रहे हैं, अगर सरकार वापसी की बात आ गई तो, समझ जाना कि क्या होगा।**

महापंचायत की अध्यक्षता युवा किसान संगठन के अध्यक्ष व पूर्व जिला पार्षद चांद पहलवान ने की। हरियाणवी गायक अजय हुड्डा ने भी इस दौरान अपनी प्रस्तुति दी और आंदोलन का समर्थन किया। हवन यज्ञ के साथ इस महापंचायत की शुरुआत की गई।

महापंचायत को संबोधित करते हुए किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि अब किसान अपना आंदोलन भी चलाएगा और साथ-साथ खेती भी करेगा। उन्होंने कहा कि अब देश में हल क्रांति होगी। आगे की लड़ाई कैसे लड़नी है, इसकी रणनीति का भी जल्द ऐलान होगा। उन्होंने कहा कि सरकार को बर्बाद करने का कानून है, इसलिए हमारी मांग है कि एम.एस.पी. पर कानून बनाया जाए। इसके बाद ही देश के किसान को फसल का सही दाम मिल सकता है।

भारतीय किसान यूनियन के प्रांतीय अध्यक्ष गुरनाम चढ़ूनी ने कहा कि कृषि कानून खेती कानून नहीं बल्कि खेती व्यापार कानून है। पूरे देश का भोजन चंद लोगों के गोदामों में पहुंचने वाला है। यह लड़ाई किसान ने शुरू की है, लेकिन ये देश के हर नागरिक की लड़ाई है। उन्होंने एलान किया कि यदि इस लड़ाई को 2024 तक भी चलानी पड़े, वे पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने मंच के माध्यम से लोगों को व्यवस्था बनाकर धरना स्थलों पर भीड़ लेकर आने की अपील भी की।

इस दौरान किसान नेताओं का खेती का प्रतीक हल देकर स्वागत किया गया। महापंचायत को किसान नेता युद्धवीर सिंह, बलबीर सिंह राजेवाल, बलदेव सिंह सिरसा और जगजीत सिंह दल्लेवाल ने भी संबोधित किया।

ट्रक ने पिकअप...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

(8) की मौके पर ही मौत हो गई। इनके अलावा रामनारायण (40) पुत्र मनीराम जाट की जयपुर ले जाते वक्त मौत हो गई। पिकअप में राजस्थान और हरियाणा के 19 लोग ददरेवा से रूपलीसर शोकसभा में जा रहे थे। इनमें चार ददरेवा राजस्थान व 15 लोग बहल व सोरडला, हरियाणा के शामिल थे।

ममता बनर्जी इस बार भी प्र.मंत्री मोदी के सार्वजनिक कार्यक्रम में नहीं पहुँचीं

प्रधानमंत्री मोदी ने हुगली में रेलवे की चार परियोजनाओं का लोकर्पण किया

हुगली, 22 फरवरी (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में रेलवे के विकास की चार परियोजनाओं का उद्घाटन किया और कहा कि राज्य में रेलवे के क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से जो कमियां रह गई हैं, केन्द्र सरकार उन कमियों को दूर करेगी और बंगाल के सपनों को पूरा करेगी। यह एक सरकारी कार्यक्रम था इसके बावजूद ममता बनर्जी इसमें शामिल नहीं हुई।

> ■ **उल्लेखनीय है कि गत माह एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान ही ममता बनर्जी नाराज होकर मंच से वापस लौट गईं थी, उसके बाद से बंगाल में प्रधानमंत्री मोदी के कई सार्वजनिक कार्यक्रम हो चुके हैं, लेकिन ममता बनर्जी किसी भी कार्यक्रम में शामिल नहीं होती हैं।**

उल्लेखनीय है कि गत माह एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान ही ममता बनर्जी नाराज होकर मंच से वापस लौट गईं थी, उसके बाद से बंगाल में प्रधानमंत्री मोदी के कई सार्वजनिक कार्यक्रम हो चुके हैं, लेकिन ममता बनर्जी किसी भी कार्यक्रम में शामिल नहीं होती हैं।

मोदी ने हुगली में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में इन परियोजनाओं को लोकार्पित किया। इस मौके पर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़, रेलमंत्री पीयूष गोयल और केन्द्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो भी उपस्थित थे। मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि पश्चिम बंगाल में कोलकाता, हुगली, हावड़ा और उत्तरी 24 परगना जिले में रेल और मेट्रो कनेक्टिविटी के विस्तार से हुगली सहित अनेक जिलों के लाखों लोगों का जीवन आसान होगा। जनजीवन को आसान बनाने के साथ साथ ये परियोजनाएं कोयला, इस्पात एवं उर्वरक उद्योगों के लिए भी प्रगति और बड़े पैमाने पर रोज़गार के अवसर लायीं हैं।

उन्होंने कहा कि देश में परिवहन के माध्यम जितने बेहतर होंगे, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का संकल्प उतना ही सशक्त होगा। मुझे खुशी है कि कोलकाता के अलावा हुगली, हावड़ा और उत्तरी 24 परगना जिले के साथियों को भी अब मेट्रो सेवा की सुविधा का लाभ मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि अब नाओपाड़ा से दक्षिणेश्वर तक की डेढ़ घंटे की दूरी सिर्फ 25-35 मिनट के बीच में सिमट जाएगी। दक्षिणेश्वर से कोलकाता के 'कवि सुभाष' या 'न्यू गड़िया' तक मेट्रो से अब सिर्फ एक घंटे में पहुंचना संभव हो पाएगा, जबकि सड़क से ये दूरी ढाई घंटे तक की है। इस सुविधा से स्कूल-कॉलेज जाने वाले युवाओं को, दफ्तरों-फैक्ट्रियों में काम करने वाले कर्मचारियों को, श्रमिकों को बहुत लाभ होगा।

निकिता जैकब और शांतनु पुलिस के समक्ष पेश हुये

नई दिल्ली, 22 फरवरी (वार्ता)। गणतंत्र दिवस के दिन ट्रैक्टर परेड के दौरान राजधानी में हुई हिंसा से संबंधित टूलकिट मामले की आरोपी निकिता जैकब और शांतनु दिल्ली पुलिस की साइबर सेल के दफ्तर पहुंचकर जांच में शामिल हुए जहां दोनों से पूछताछ हो रही है।

दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने आज बताया कि टूलकिट की कड़ियों को जोड़ने के लिए जांच दल निकिता जैकब और शांतनु को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। दोनों आज द्वारका स्थित साइबर सेल के दफ्तर पहुंचकर जांच में शामिल हुई। इस मामले की एक अन्य आरोपी पर्यावरण कार्यकर्ता दिशा रवि को पहले को पहले ही गिरफ्तार किया गया है।

दिल्ली पुलिस का दावा है कि टूलकिट बनाकर किसानों को भड़काकर हिंसा फैलाने के पीछे खालिस्तान से जुड़े संगठनों की साजिश थी।

मुंबई में होटल के कमरे में पंखे से लटकता मिला सांसद का शव

58 वर्षीय मोहन डेल्कर दमन दीव से निर्दलीय सांसद थे

मुंबई, 22 फरवरी। दमन और दीव के सांसद मोहन डेलकर मुंबई के एक होटल में मृत पाए गए हैं। दादर नगर हवेली के निर्दलीय सांसद मोहन डेलकर का शव मरीन ड्राइव के एक होटल में सोमवार को शव मिला। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस को उनका शव पंखे से लटका हुआ मिला था। शुरुआती जांच में खुदकुशी की बात सामने आ रही है।

58 वर्षीय मोहन डेलकर सात बार सांसद चुने गए थे। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के समर्थक थे और मोदी सरकार की नीतियों का अक्सर समर्थन करते दिखते थे। वह प्रखर वक्ता थे और अपने क्षेत्र के विकास को लेकर अक्सर प्रमुखता से अपनी बात संसद में रखते थे।

> ■ **मोहन डेल्कर अब तक कुल सात बार सांसद चुने गये थे।**
>
> ■ **पुलिस ने शुरुआती जांच में आत्महत्या की आशंका जताई है, साथ ही कहा जा रहा है कि पुलिस को एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है।**

पुलिस अधिकारी ने निर्दलीय सांसद के शव के पास से गुजराती में लिखा एक सुसाइड नोट मिलने की खबरों पर टिप्पणी करने से इंकार कर दिया। डेलकर मई 2019 में सातवीं बार सांसद निर्वाचित होकर संसद पहुंचे थे। डेलकर कार्मिक, लोक शिकायत, विधि एवं न्याय मामलों संबंधी लोकसभा की स्थायी समिति के सदस्य थे।

पिंकी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुमति देते हुए याचिका को खारिज कर दिया। गौरतलब है कि हाल ही में पिंकी मीणा को अदालत ने विवाह करने के आधार पर दस दिन की अंतरिम जमानत पर रिहा किया था। अंतरिम जमानत अवधि पूरी होने के बाद उसने 21 फरवरी को जेल में समर्पण किया था।

किसान आंदोलन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उम्मीदवारों ने पिछली बार कुल 26 जिला पंचायतों में से 25 पर विजय प्राप्त की थी।

किसान यूनियन के नेताओं व उनके प्रतिनिधियों के द्वारा रणनीति में बदलाव करने से सचेत एवं महापंचायतों में भारी भीड़ एकत्रित होने के फलस्वरूप मोदी सरकार व भाजपा ने अपने नेताओं से कहा है कि वे इस स्थिति के चलते जनता के बीच जाएं। रविवार 21 फरवरी को मुजफ्फरपुर के सांसद व केन्द्रीय राज्य मंत्री, संजीव बाल्यान, बुल्ढाना से विधायक अन्य नेताओं के साथ बाहर निकले।

हालांकि, कानूनों को लेकर भाजपा से नाराजगी साफ नजर आई और बैसवाल गांव में "बाल्यान मुर्दाबाद" व किसान एकता जिन्दाबाद के नारे लगाए गए।

जाटों के समर्थन से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा को वर्ष 2017 में संपन्न विधानसभा के चुनावों व इसके साथ ही वर्ष 2014 के साथ ही वर्ष 2019 दोनों चुनावों में भारी विजय प्राप्त हुई थी।

वर्ष 2013 में हुए साम्प्रदायिक दंगों की वजह से जाट भाजपा के समर्थन में आ गए थे इसके फलस्परूप जाटों व मुस्लिमों के बीच का परम्परागत सौहार्द नष्ट हो गया था।

सूत्रों के हवाले से खबर है कि किसान नेता ऐसे राज्यों में जाने की योजना बना रहे हैं जहां इस वर्ष विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं तथा वे आगामी उपचुनावों के लिए भाजपा के उम्मीदवार के खिलाफ प्रचार कार्य कर रहे हैं।

इस बीच, मोदी सरकार को भरोसा है कि अन्ततोगत्वा उसकी एक तीर से कई शिकार करने की कोशिश की रणनीति अपनाने से उसे लाभ होगा और आंदोलन बदनाम करने में सफलता मिलेगी। इस विषय पर एक नेता ने कहा कि इस बात के संकेत उभर के आ रहे हैं कि पहले की तुलना में गाजीपुर के बॉर्डर पर एवं सिंघु बॉर्डर पर लोगों की भीड़ काफी कम हो गई है।

नेता ने जोर देकर कहा कि किसानों के विरोध प्रदर्शन पर संदेह और शंका के बीज बोने की रणनीति तथा उनके खालिस्तान जैसे भारत-विरोधी गुटों के साथ संभावित गठजोड़ के परिणाम सामने आ चुके हैं। इसके परिणामस्वरूप हमारे समर्थकों को बढ़ाने में मदद मिली है।

पायलट के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दर्ज याचिका वापस ली महेश जोशी ने

हाईकमान के इशारे पर यह कदम उठाया मुख्य सचेतक ने। दोनों खेमों (पायलट व गहलोत) में तनाव व वैमनस्य कम करने की दृष्टि से हाई कमान ने याचिका वापस करवायी

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 22 फरवरी। राजस्थान में कांग्रेस में परस्पर विरोधी गुटों को एक साथ लाने और प्रदेश में पार्टी में एकता प्रदर्शित करने की एक कोशिश के तहत महेश जोशी ने सचिन पायलट के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर स्पेशल लीव पैटीशन (एस.एल.वी.) वापस ले ली है।

महेश जोशी ने आज ए.आई.सी.सी. कार्यालय में ए.आई.सी.सी. महासचिव अजय माकन से मुलाकात की और एस.एल.पी. को वापस लिए जाने संबंधी एक पत्र पर हस्ताक्षर किए।

सूत्र बताते हैं कि अजय माकन ने जोशी को इस बात के लिए मनाया कि वे पार्टी हित में आवश्यक कार्यवाही करें। यह पूरी कवायद पार्टी आलाकमान के कहने पर की गई जो कि पार्टी में अधिक मेल-मिलाप और सामंजस्यपूर्ण कार्य शैली लाना चाहता है।

> ■ **सचिन पायलट ने भी जयपुर जिले में आयोजित किसान रैली में मंच पर, गहलोत व डोटासरा के चित्र भी लगाये थे, राहुल गांधी व प्रियंका गांधी के साथ। सचिन के इस निर्णय की सराहना हुई थी हाईकमान में।**

यह उल्लेखनीय है कि जब बात अशोक गहलोत की हो तो सचिन पायलट की कार्यशैली भी सामंजस्यपूर्ण रही है। उन्होंने जयपुर ग्रामीण की अपनी रैली में अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा, प्रभारी अजय माकन और गांधी परिवार के पोस्टर मंच पर लगाए थे और इस कड़वाहट को समाप्त करने और दोनों नेताओं में संतुलन स्थापित करने की दिशा में बढ़ाए गए एक कदम के रूप में पार्टी नेतृत्व से प्रशंसा प्राप्त हुई है।

पार्टी के एक सीनियर नेता ने कहा कि "यह कहना गलत है कि सचिन पायलट के पर कतरे गए हैं या राहुल गांधी के दो दिवसीय राजस्थान दौरे में उन्हें महत्वहीन किया गया।"

सचिन पायलट ने राहुल गांधी की उपस्थिति में दो बड़ी रैलियों में भाषण दिए। वे मंच पर मौजूद रहने और अजय माकन के बगल में बैठने वाले राजस्थान के एक मात्र पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष थे तथा राहुल गांधी को हल भेंट किए जाते वक्त के फोटोग्राफ में भी वे हैं और उन्हें अन्य नेताओं की बनिस्पत काफी महत्व दिया गया और यह संदेश देने के लिए ऐसा करना जरूरी था कि पार्टी नेतृत्व सचिन पायलट को हाशिए पर रखने की अनुमति नहीं देगा।

सूत्रों ने बताया कि यह सुनिश्चित करने के लगातार प्रयास चल रहे हैं कि गहलोत और पायलट के बीच पिछले कई महीनों से चली आ रही कटुता समाप्त हो जाए और कोर्ट से पटीशन का वापस लिया जाना राजस्थान में वर्तमान में चल रहे कॉन्फिडैन्स बिल्डिंग मैज़र्स (सी.बी.एम.) की दिशा में यह अगला कदम है।

माकन चार दिन के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाएंगे। पीर बाबा रामदेव के दिल्ली में बहुत भक्त हैं। स्वयं माकन ने भी इस मंदिर के दर्शन करने के बाद ही दिल्ली की अपनी कई चुनावी मीटिंग्स की शुरूआत की थी।

माकन के साथ उनकी पत्नी तथा दिल्ली के पूर्व मंत्री राजकुमार चौहान होंगे। चौहान हाल ही भाजपा से कांग्रेस में लौटे हैं। 26 फरवरी को माकन जयपुर में होंगे और इसके अगले दिन पार्टी विधानसभा के चारों उपचुनावों के लिए चित्तौड़गढ़ में अपनी चुनावी मुहिम शुरू करेगी। जहां एक बड़ी मीटिंग आयोजित की जा रही है जिसमें मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के भी मौजूद रहने की उम्मीद है।

पार्टी ने चुनाव अधिसूचना जारी होने के पहले ही उप चुनावों की तैयारियां शुरू कर दी हैं क्योंकि वह चारों सीटों पर बड़ी जीत दर्ज करना चाहती है।

इसको लेकर काफी अटकलें हैं कि अशोक गहलोत राजसमंद के विधानसभा उपचुनाव में अपने पुत्र वैभव को मैदान में उतारना चाहते हैं और बताया जाता है कि इसके लिए उन्हें विधानसभा स्पीकर सी.पी. जोशी का समर्थन प्राप्त है। जोशी फिलहाल सचिन पायलट के विरूद्ध लड़ाई में गहलोत के खास साथी हैं।

लेकिन सूत्र बताते हैं कि गहलोत अन्ततः अपने पुत्र को किसी ऐसी सीट से चुनाव मैदान में नहीं उतारेंगे जहां उनके जीतने की संभावना ना हो और वैभव की एक और हार मुख्यमंत्री गहलोत के लिए बुरी खबर होगी।

गहलोत अपने पुत्र को सक्रिय राजनीति में लाने के लिए काफी बेचैन रहे हैं और जोधपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से उनकी हार के बाद वे गहलोत जूनियर को राजनीति की मुख्यधारा में लाने की भविष्य की रणनीति पर बहुत सोच-समझकर काम कर रहे हैं।

राजनीति हलकों में यह बात पहले ही ज्ञात है कि गहलोत सरकार के करीब-करीब सारे ही बिज़नैस ट्रांजैक्शन्स वैभव देखते हैं, महत्वपूर्ण मीटिंग्स में भाग लेते हैं और नौकरशाहों के मामले भी वे ही देखते हैं। उन्हें प्रायः एक ऐसी एक्स्ट्रा कॉन्स्टीट्यूशनल अथॉरिटी कहा जाता है जिसका गहलोत सरकार के संचालन में दबदबा है।

आज भाजपा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होंगी। इस बैठक में प्रदेश के सभी राजनैतिक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में हुए फैसलों पर भी चर्चा की जाएगी।

पुड्डुचेरी में सरकार गिरने के साथ ही पूरे दक्षिण भारत से गायब हुई कांग्रेस

पुड्डुचेरी के मुख्यमंत्री नारायणसामी ने बहुमत साबित करने में विफल रहे, इस्तीफा दिया

पुड्डुचेरी, 22 फरवरी। पुड्डुचेरी में बीते कुछ दिनों से जारी राजनीतिक संकट का पटाक्षेप हो गया और अंततः कांग्रेस की सरकार गिर गई। मुख्यमंत्री वी. नारायणसामी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार सदन में बहुमत साबित करने में विफल रही और इस तरह कभी दक्षिण भारत में मजबूत रही कांग्रेस दक्षिण से पूरी तरह से सफाया हो गया है। दरअसल, विधानसभा में पेश किए गए विश्वासमत प्रस्ताव पर मतदान से पहले ही मुख्यमंत्री वी. नारायणसामी और सत्तारूढ़ पार्टी के अन्य विधायकों ने सदन से वॉकआउट किया था। इसके बाद मुख्यमंत्री राजनिवास पहुंचे और उप राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपा।

> ■ **दरअसल, कर्नाटक के बाद दक्षिण भारत में केवल पुड्डुचेरी में ही कांग्रेस की सरकार बची थी, मगर अब वहां से भी पार्टी की विदाई हो गई है।**
>
> ■ **कर्नाटक में भी जनता दल (एस.) के साथ गठबंधन बनाकर कांग्रेस सरकार में कुछ समय तक रही, मगर बाद में फिर से भाजपा ने वहां की सत्ता पर कब्जा कर लिया।**

दरअसल, कर्नाटक के बाद दक्षिण भारत में पुड्डुचेरी में ही कांग्रेस की सरकार बची थी, मगर अब वहां से भी पार्टी की विदाई हो गई। कर्नाटक में भी जेडीएस के साथ किसी तरह कांग्रेस गठबंधन की सरकार में कुछ समय तक रही, मगर बाद में फिर से भाजपा ने वहां की सत्ता पर कब्जा कर लिया। उसके बाद दक्षिण भारत के राज्यों में एक पुड्डुचेरी ही था, जहां कांग्रेस की सरकार बची थी, मगर वहां भी विधायकों के इस्तीफे के बाद सत्ता हाथ से चली गई। इस तरह से देखा जाए तो अब कांग्रेस का दक्षिण भारत का मजबूत किला पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है।

एक ओर जहां 2014 के बाद से पूरे देश में भाजपा का दखल बढ़ता जा रहा है, वहीं कांग्रेस सत्ता से बेदखल होती जा रही है।

अब अगर कांग्रेस शासित राज्यों की बात करें तो पांच राज्य ही ऐसे हैं, जहां कांग्रेस सत्ता में है। राजस्थान, पंजाब, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और झारखंड में कांग्रेस सरकार में है। इनमें से भी तीन राज्यों में राजस्थान, पंजाब और छत्तीसगढ़ में ही कांग्रेस की पूरी तरह से सरकार है, वरना महाराष्ट्र और झारखंड में तो कांग्रेस सहायक की ही भूमिका में है।

कर्नाटक और मध्य प्रदेश के बाद कांग्रेस को मिला यह हैट्रिक झटका है।

राहुल गांधी के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजस्थान कांग्रेस को कहा है कि जिस तरह की स्थितियां पार्टी में बनी हुई है, उन्हें तुरंत ठीक किया जाए। इसी के साथ पार्टी आलाकमान के पास यह संदेश भी गया है कि जिस तरह से सचिन पायलट की ओर से आयोजित किसान महा पंचायतों में भीड़ उमड़ रही है, उसका सीधा संदेश जा रहा है कि जनता का रुख किस ओर है। इस कारण भी पार्टी आलाकमान राजस्थान में चल रही खेमेबाजी को जल्द खत्म करना चाहता है। दूसरी ओर कहा यह भी जा रहा है कि राजस्थान सरकार और मुख्यमंत्री खेमा इस एसएलपी को वापस लेकर यह संदेश देना चाहता है कि वह अपनी ओर से खेमेबाजी खत्म करने के लिए तैयार है, लेकिन पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट खेमा भी अब अलग से कोई आयोजन ना करें। हालांकि इस बारे में खबरों की कोई भी पुष्टि नहीं कर रहा है, लेकिन चर्चा हो रही है।

हालांकि एसएलपी वापस लेने को लेकर वास्तव में कोई दबाव है या फिर सरकार आगे बढ़कर खुद यह कदम उठा रही है। इस बारे में स्पष्ट तौर पर कोई भी नेता बोलने को तैयार नहीं है, लेकिन दोनों खेमों के बीच चल रही तनाव की स्थिति में एसएलपी वापस लेने की अर्जी दायर होना निश्चित तौर पर कांग्रेस के लिए आने वाले दिनों में राहत की ख़बर हो सकती है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** घूघरा घाटी, जयपुर रोड, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स: 0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908